सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 565 वर्ष 43

राँची, 28 फरवरी, 2021

कोल इंडिया एवं ईईएसएल के बीच समझौता ज्ञापन

कोल इंडिया लिमिटेड ने एनर्जी एफिसियेंसी सर्विसेस लिमिटेड (ईईएसएल) के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ईईएसएल (ऊर्जा मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक उद्यम) व कोल इंडिया ऊर्जा दक्षता एवं अकार्बनीकरण की दिशा में सहयोग करेंगे। समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ईईएसएल कोल इंडिया की 4600 एमयू ऊर्जा/वर्ष की खपत को 10–15% तक कम करने में सहयोग करेगा।

ईईएसएल अब कोल इंडिया को ऊर्जा दक्षता, संसाधन संरक्षण के साथ–साथ कार्बन फुटप्रिंट को कम करने व परिचालन कौशल के वर्धन से कंपनी के लाभांश को बढ़ाने में सहयोग करेगा। कोल इंडिया तथा ईईएसएल ऊर्जा दक्षता, इलेक्ट्रिक वाहन, चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना, सौर ऊर्जा उत्पादन, हरित ऊर्जा, स्मार्ट ऊर्जा समाधान आदि क्षेत्रों में व्यापार के अवसरों की खोज करेंगे।

कोल इंडिया की ओर से निदेशक (वित्त) श्री संजीव सोनी एवं ईईएसएल की ओर से निदेशक – परियोजना और व्यवसाय विकास, श्री वेंकटेश द्विवेदी के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर

कोल इंडिया के निदेशक (वित्त) श्री संजीव सोनी एवं ईईएसएल के निदेशक – परियोजना और व्यवसाय विकास, श्री वेंकटेश द्विवेदी के मध्य समझौता ज्ञापन का एक दृश्य

पर कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल सहित अन्य निदेशकगण उपस्थित थे।

सीसीएल द्वारा महिला कर्मियों की सुरक्षा हेतु किए गए पहल सराहनीय–श्रीमती चंद्रमुखी देवी

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्या ने सीसीएल में बैठक की

11 फरवरी को मुख्यालय, राँची स्थित 'कन्वेंशन सेंटर' में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्या – श्रीमती चंद्रमुखी देवी की अध्यक्षता में सीसीएल में कार्यरत महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विषयों पर आंतरिक समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में निदेशक(कार्मिक) श्री विनय रंजन सहित आंतरिक समिति की अध्यक्षा सुश्री रश्मि दयाल, महाप्रबंधक(समाधान सेल/भर्ती), श्री पार्थो भट्टाचार्य, महाप्रबंधक(विधि), श्री उमेश सिंह, महाप्रबंधक(कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध), श्री गिरिश राठौर, महाप्रबंधक (कोटरे बसंतपुर), श्रीमती मंजू मिश्रा, सीएमएस सीसीएल, श्रीमती अर्चना सिन्हा, श्रीमती रेखा पाण्डेय, श्रीमती अनुराधा प्रियदर्शनी एवं अन्य उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्रीमती चंद्रमुखी देवी,सदस्य,राष्ट्रीय महिला आयोग ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यस्थल पर एक स्वास्थ्यकर वातावरण का निर्माण करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। संस्थान में सुरक्षित कार्य–परिवेश से महिलाकर्मी निर्भीक होकर अपना सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन करने में सक्षम हो पातीं हैं। उन्होंने सीसीएल प्रबंधन द्वारा महिलाकर्मियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने सरकार द्वारा महिलाकर्मियों को उनकी समस्याओं के निवारण एवं सुरक्षा प्रदान करने हेतु उपलब्ध कराये गये विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक करने व उसके प्रचार–प्रसार हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा।

निदेशक (कार्मिक) श्री विनय रंजन ने कहा कि सीसीएल प्रबंधन महिला कर्मियों की सुरक्षा के प्रति सदैव संवेदनशील एवं सजग रहा है

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्या – श्रीमती चंद्रमुखी देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का दृश्य

तथा महिलाओं की सुरक्षा निर्धारण हेतु हर संभव प्रयत्न किए गए हैं। श्री रंजन ने सदस्य महोदया को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी महिलाओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित कार्य–परिवेश उपलब्ध कराया जाता रहेगा एवं उनके द्वारा बैठक में दिये गये निर्देशों का शत–प्रतिशत अनुपालन किया जाएगा।

बैठक में महिलाओं को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए नोटिस बोर्ड, सेमिनार, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन करने का सुझाव दिया गया। आंतरिक समिति की एक तिहाई सदस्यों का हर वर्ष पुनः नामांकण करने के साथ–साथ कंपनी द्वारा डिजिटल माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की उपलब्धता पर भी चर्चा की गयी।

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स एम्प्लोईज़ बेनेवोलेंट फंड सोसाइटी की बैठक संपन्न

09 फरवरी को मुख्यालय, राँची स्थित 'कन्वेंशन सेंटर' में निदेशक (कार्मिक), सीसीएल/कार्यकारिणी अध्यक्ष, सीसीईबीएफएस श्री विनय रंजन की अध्यक्षता में सेन्ट्रल कोलफील्ड्स एम्प्लाईज़ बेनेवोलेंट फंड सोसाइटी (सीसीईबीएफएस) की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक को संबोधित करते निदेशक (का.) श्री विनय रंजन तथा उपस्थित अन्य अधिकारीगण

कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री विनय रंजन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सीसीईबीएफएस का मुख्य उद्देश्य सभी सदस्यों को जागरूक करने के साथ–साथ उन्हें अधिकाधिक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बल देते हुए कहा कि सीसीएल प्रबंधन अपने कर्मियों के कल्याण एवं विकास हेतु प्रतिबद्ध है एवं सीसीईबीएफएस इस कड़ी का एक महत्वपूर्ण अंग है। विदित हो कि सीसीईबीएफएस में सीसीएल कर्मी सदस्य होते हैं तथा यूनियन के प्रतिनिधिगण एवं प्रबंधन इसके संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं।

बैठक में सीसीईबीएफएस से संबंधित वित्तीय प्रभाव का विश्लेषण प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया ताकि इस योजना का सकारात्मक क्रियान्यवन किया जा सके। साथ ही सदस्यों से संबंधित बीमारी लाभ भुगतान, छात्रवृत्ति, अंकेक्षण, सदस्यता संख्या कोडिंग आदि विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सीसीएल के महाप्रबंधक (कार्मिक एवं औ.सं.) श्री उमेश सिंह, महाप्रबंधक (भर्ती)/(समाधान) सुश्री रश्मि दयाल, महाप्रबंधक (वित्त) श्री जे.पी.विश्वकर्मा, महाप्रबंधक (सामाजिक सुरक्षा) श्री यू.पी. नारायण तथा विभिन्न श्रमिक संघों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बैठक में स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (कल्याण) डॉ.ए.के.सिंह ने किया। बैठक के सफल आयोजन में कल्याण विभाग का विशेष योगदान रहा। ।

सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए महत्वांकाक्षी योजना

सीपीआरएमएस–एनई के सदस्य बनने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2021 तक बढ़ी

कोल इंडिया की महत्वाकांक्षी योजना 'सेवानिवृत्त उपरांत अंशदायी चिकित्सा सेवा योजना (संशोधित) (सीपीआरएमएसएनई)' के सदस्य बनने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2021 कर दी गयी है।

01 जुलाई, 2016 से पहले एवं कोल इंडिया एवं एससीसीएल के 10वें वेतन समझौता की क्रियान्वयन अवधि के दौरान जो कर्मचारी कंपनी से सेवानिवृत्त हो चुके हैं या उनका विलगाव हो चुका है और वह अभी तक सीपीआरएमएस–एनई के सदस्य नहीं बन पाये हैं परंतु वह इस चिकित्सीय सुविधा का लाभ उठाने के लिए इच्छुक हैं, वैसे पूर्व कर्मचारी 31 मार्च, 2021 तक स्थानीय सीसीएल प्रबंधन (सेवानिवृत्ति पूर्व योगदान का कार्यालय) में अपनी सदस्यता हेतु आवेदन जमा कर सकते हैं।

ज्ञातव्य हो कि सीपीआरएमएस–एनई (संशोधित) के अंतर्गत लाभार्थी आठ लाख रूपये तक का चिकित्सीय लाभ उठा सकतें है एवं गंभीर बीमारियों के मामले में यह राशि कंपनी नियमानुसार आठ लाख रूपये से भी अधिक भी हो सकती है। इस मेडिकल सेवा का लाभ उठाने के लिए कर्मचारियों को एकमुश्त राशि रू 40000/– (रूपये चालीस हजार) मात्र (पती/पत्नी दोनों के लिए) स्थानीय प्रबंधन/क्षेत्रीय कार्यालय में जमा करनी होगी। सीसीएल की वेबसाईट centralcoalfields.in में जा कर इस योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सेवानिवृत कर्मियों को भावभीनी विदाई

01 फरवरी को मुख्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मियों – सर्वश्री अनिल कुमार सिंह, महाप्रबंधक (ई एण्ड एम), सतर्कता विभाग, मो जावेद अख्तर, मुख्य प्रबंधक (वित्त), वित्त एफपीसी विभाग, ललन कुमार, वरीय प्रबंधक (कार्मिक), पेंशन विभाग, राजेश कुमार सिंह, वरीय प्रबंधक (माईनिंग), एनआईएमसी विभाग, मोइन खान, वरीय डीईएस ए–1, सांख्यिकी विभाग, जयेश रावल, जनसम्पर्क सहायक 'ए–1', जनसम्पर्क विभाग, मो असमुद्दिन, वरीय डीईएस 'ए–1', प्रणाली विभाग, अब्दूल बारी, मुख्य डी/मैन 'ए–1', पी एंड पी विभाग, मो. खालिक, वरीय निजी सहायक, वित्त विभाग, श्याम सुन्दर प्रसाद, स्टेनोग्राफर, जेएसएसपीएस, इरसाद अली, सहायक फोरमैन, ई एंड एम विभाग, सुकरा उरांव, फिटर हेल्पर, नगर–प्रशासन विभाग तथा केन्द्रीय अस्पताल गांधीनगर से डा.बंसत नारायण, सीएमओ, डा. हरिचरण मुर्मू, उप–सीएमओ, डा. अलेक्जेंडर टोप्पो, चिकित्सा अधीक्षक, अश्रिता कुजूर, मैट्रन 'ए–1', उर्सिला मिंज, मैट्रन 'ए–1' एवं समापिका दास, मैट्रन 'ए–1' को सीसीएल परिवार की ओर से मुख्यालय में 'सम्मान समारोह' का आयोजन कर भाव–भीनी विदाई दी गई। इसी तरह सीसीएल के क्षेत्रों में भी 'सम्मान समारोह' का आयोजन कर सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मानित किया गया।

'सम्मान समारोह' के दौरान सीसीएल द्वारा सेवानिवृत्त कर्मियों पर बनायी गयी फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। फिल्म (विडीयो) के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने निजी कार्यानुभव एवं विचार व्यक्त किए।

अप्रनि श्री पीएम प्रसाद ने सेवानिवृत्त कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आप अपने दीर्घ अनुभव के साथ सेवानिवृत्त हो रहे हैं। श्री प्रसाद ने सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके जीवन की दूसरी पाली में उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की।

अवसर विशेष पर निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री भोला सिंह, निदेशक (वित्त) श्री एनके अग्रवाल एवं सीवीओ श्री एसके सिन्हा ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप जहां भी रहें स्वस्थ्य रहें।

कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक (कल्याण) डा.ए.के.सिंह ने किया। सम्मान समारोह को सफल बनाने में कल्याण विभाग के कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

अपनी बात की ओर से विशेष अपील

कोरोना वैश्विक महामारी का प्रभाव बहुत ही तेजी के साथ झारखण्ड राज्य सहित पूरे देश में बढ़ रहा है। कोविड–19 से बचाव के लिए यह सुनिश्चित करें कि सभी कर्मी कार्यस्थल के साथ–साथ जब भी बाहर निकलें तो कोरोना से बचाव के लिए मास्क एवं दस्ताने का प्रयोग अवश्य करें। सरकार तथा चिकित्सकों द्वारा सुझाये गये नियमों का पालन करें तथा दूसरों को भी जागरूक करें। कोरोना से बचाव के लिए भारत सरकार द्वारा निर्देशित योग्यता मापदंड में आने वाले सभी लोग टीका अवश्य लगवायें।

सम्पादक : अनुपम कुमार राणा, विभागाध्यक्ष (जनसम्पर्क) जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : मयंक कश्यप, सहायक प्रबंधक (सीडी), दिविक दिवेश, सहायक प्रबंधक (राजभाषा), सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित। (आंतरिक वितरण हेतु)